CHAPTER-1

WORKSHEET-1

२.(क) हम छोटे क्यों नहीं बन सकते ?

Ans⇒ हम छोटे नहीं बन सकते क्योंकि हमारा देश बड़ा है।

(ख) हम अच्छे बनकर क्या कर सकते हैं ?

Ans⇒ हम अच्छे बनकर भारत की शान बढ़ा सकते हैं।

(ग) आओ हम अच्छे बनें कविता के मूल कवि का नाम बताइए ?

Ans⇒ आओ हम अच्छे बनें कविता के मूल कवि का नाम डॉ. सिद्धा पुराणिक है।

(घ) श्रमजीवियों का देश किसे कहा गया है ?

Ans⇒ हमारा देश भारत श्रमजीवियों का देश है।

(ङ) हम अच्छे बनकर क्या कर सकते हैं ?

Ans⇒ हम अच्छे बनकर भारत की शान बढ़ा सकते हैं।

Teacher's Signature.....

२.क) हम कामचोर क्यो नही बन सकते ?

Ans→ हम कामचोर क्यों नहीं बन सकते क्योंकि हमारा देश श्रमजीवियों का है।

ख) भारत देश है नैतिक हम नीतिहीन हो तो कैसे ? भाव स्पष्ट करो ?

Ans→ कवि के अनुसार हमारा देश भारत बहुत बड़ा और महान है। इसकी परंपरा भी महान है। यहाँ लोगों को नैतिकता के पाठ पढ़ाए जाते है। लोग नैतिकता सिखते है और उसका प्रयोग करते है। इसलिए हम नीतिहीन नही बन सकते।

३. हम भारत की शान बढ़ाने के लिए क्या क्या कर सकते है ?

Ans→ भारत की गरिमा तथा उसकी महानता को बनाए रखना हर नागरिक का कर्तव्य है। भारत को महान बनाने के लिए कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। आज स्वतंत्र भारत की सुविधाएँ हम अनुभव कर रहे है वो आसानी से प्राप्त नही हुई है। इस कारण जो प्राप्त है उसे बनाए रखना चाहिए आपसी मत-भेद तथा जाति-पाति का

Teacher's Signature

विरोधाभास छोड़कर एकता से रहना चाहिए।

४. विलोम शब्द लिखों।

अपना - पराया
ज्ञान -
नैतिक - अनैतिक

५. श्रमजीवी - किसान ~~श्रमजीवी~~ श्रमजीवी होते हैं।

विवेक - हमें किसी भी बात पर विवेक नहीं खोना चाहिए।

नैतिकता - हमें नैतिकता के मूल्यों को अपनाना चाहिए।

स्वामी जी का जीवन नैतिकता से भरा हुआ है।

Teacher's Signature.....